دکھانے کیلئے "مودی کلب" کا چینل کلب
کھول رہے ہیں تو کیا آپ یہ توجہ دینگے
اس سیکنڈ چینل کے بارے میں۔ سیکنڈ
چینل سے میرا مطلب یہ نہیں ہے کہ چینل
دو ہی کریں۔ کوئی بھی ایک چینل ہو
جسپر کہ کامرس اور سنسکرتی دونوں پر
ایک ساتھ سوچیں صرف کامرس پر
ہی نہ سوچیں۔]

SHRI K. P. SINGH DEO: A very good suggestion, Madam, which bears consideration. DD II, I must say, Madam, is an entertainment channel. And DD I is the public broadcasting channel. We have the channel management of DD I where development, health, environment, everything, are shown on DD I. But on DD II, being an entertainment channel, sponsored programmes, commissioned programmes as well as those produced in the Central Production Centre of DD are shown there. Therefore, we are very mindful of the fact that there are attempts at cultural invasion and the Regional Channels which are prevalent in 17 channels are showing regional programmes which are not on DD II; I must make that subtle difference.

664. [The Questions (Shri Aas Mohammad and Shri Sanjay Dalmia) were absent For answer, vide column.....infra).

665. [The Questioner (Shri Mohammad Afzal alias Meem Afzal) was absent. For answer, vide column.... infra].

Television Serials on Metro Channel

*666. SHRI KANAKSINH MOHANSINH MANGROLA: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) the names of first three most popular TV serials on DD Metro Channel 2, during the first four months of this year

Transliteration in Arabic Script.

as per the surveys conducted by Doordarshan; and

(b) the names of first three TV serials on DD Metro Channel 2, having earned the maximum revenue for Doordarshan during the first four months of 1995?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI K.P. SINGH DEO): (a) The serials are Sri Krishna, Junoon and Imtihaan.

(b) The serials are Junoon, Sri Krishna and Imtihaan.

श्री कनक सिंह मोहनसिंह मंगरोला : माननीय उपसभापति महोदया मेरा प्रश्न यह था कि पूरे हिन्दुस्तान में जो अभी सीरियल चल रहे हैं इसमें सबसे ज्यादा पापुलर सीरियल कौन से हैं? माननीय मंत्री जी ने जवाब दिया है – जुनून इम्तिहान श्रीकृष्ण । मेरा माननीय मंत्री जी से एक बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि आप इन सीरियल का टाइम क्यों चेंज कर रहे हैं? क्योंकि अभी यह सीरियल रात साढ़े आठ बजे डी०डी०–टू पर चलते हैं और मेरी जानकारी के अनुसार अब माह जून से आप लोग यह टी०वी० सीरियल डी०डी०–वन पर रात को साढ़े दस बजे ले जा रहे हैं। दूसरा प्रश्न, माननीय मंत्री जी से मैं यह भी जानना चाहता हूं कि इन तीनों सीरियल की वजह से आपको रेवेन्यू में अभी जो 30 करोड़ पर ईयर की इन्कम होती है इसको रात साढ़े दस बजे करने से आपने कुछ अन्दाजा लगाया है कि आपको कितना रेवेन्यू कम प्राप्त होगा?

SHRI K. P. SINGH DEO: Madam, the timings and the slotting are fixed after audience research and in-house discussion with advertisers as well as sponsors. The revenue is not Rs. 30 crores. In fact, 'Junoon' gets about Rs. 6.29 crores; 'Shri Krishna' Rs. 3.65 crores; 'Imtihaan' Rs. 2.02 crores. The total comes to about Rs. 12 crores. But I would certainly ask the DD authorities to look into the suggestion of the hon. Member. If we can reach Rs. 30 crores, I would be very, very happy, Madam.

श्री कनकसिंह मोहनसिंह मंगरोला : माननीय उपसभापति महोदया माननीय मंत्री जी से जो मेरा सवाल था वह था रेवेन्यू के बारे में। मेरी जानकारी में यह भी आया है कि आपके अधिकारियों के द्वारा, ज्यादा से ज्यादा "जी" टी०वी० को फायदा हो ऐसी कोई बात चल रही है । मैं जानना चाहूंगा कि इसके बारे में आपका सोचना क्या है?

SHRI K. P. SINGH DEO: If that is true, it is rather serious, Madam.

उपसभापति : श्रीमती आनन्दीबेन।

श्री कनकसिंह मोहनसिंह मंगरोला : मंत्री जी, इसके लिए आप क्या कर रहे है?

उपसभापति : वह मालूमात तो करेंगे। कह रहे हैं अगर सच है तो बहुत अफसोस की बात है। पता लगाऐंगे।

SHRI K. P. SINGH DEO: If the hon. Member knows something about it, he can pass on the informaiton. We shall certainly enquire into it: we shall certainly investigate into it.

उपसभापति : श्रीमती आनंदबेन आपको पूछना है?

श्रीमती आनंदीबेन जेठाभाई पटेल : दूरदर्शन के बारे में?

उपसभापति : नहीं, सारे दूरदर्शन की वर्किंग से नहीं। इस सवाल से कोई संबंधित सवाल हो तो आप जरूर पूछिए।

श्रीमती आनंदीबेन जेठाभाई पटेल : अहमदाबाद दूरदर्शन का जो मैट्रो चैनल है, इसमें जो कांड चल रहे हैं, उसे मैं बताना चाहती हूं।

THE DEPUTY CHAIRMAN: The question has a limited scope.

उसके बारे में आप पूछ रही हैं, तो मैं खुशी एलाऊ करूंगी।

The entire Doordarshan policy, we can discuss at some other time. Shri Nilotpal Basu.

SHRI NILOTPAL BASU: Madam, I would like to put a very specific question. What is the rating of the M. TV programme? The Minister has indicated the first three positions. I would like to know specifically: What is the position in regard to the M.TV programme, in terms of viewer-ship?

SHRI K. P. SINGH DEO: This question was on serials, Madam. M. TV is not a serial. It is a programme. I would certainly cull out the information and make it available to the hon. Member.

SHRI MD. SALIM: It is not popular. They are making it popular.

श्रीमती वीणा वर्मा : उपसभापति महोदय, माननीय मंत्री जी ने बताया कि पापुलरिटी का जो क्राइटेरिया है टी०वी० सीरियल की बढ़ाने का या सीरियल की कितनी कडी प्रसारित की जाएगी, यह आधार आपकी खुद की पत्रों की रेटिंग से होती है, पत्र जो आपको प्राप्त होते है उसके आधार पर है। मेरी सूचना के अनुसार एक और भी तरीका है, जिससे कि टी०वी० सीरियल को बढाया जाता है वह यह है कि जब कभी कोई सीरियल पापुलर हो जाता है तो खुद दूरदर्शन कहता है, यदि 13 कड़ियों का सीरियल पास हुआ तो फिर उस प्रोड्यूसर को और राइटर को कहा जाता है कि आप इसको 26 का कर दीजिए और फिर उस सीरियल को खींचकर 26 का कर दिया जाता है। जब 26 में भी उसे वही पापुलेरिटी और स्पांसरशिप मिलती है तो फिर कहा जाता है कि आप इसको 42 का कर दीजिए। जब 40–42 के आसपास भी अच्छी रेटिंग जाने लगती है, रिवेन्यू मिलता है तो फिर कहा जाता है कि आप इसे 80 का कर दीजिए। जब 80 तक पहुंचने लगता है, मैं नाम नहीं लेना चाहती यहां पर एक सीरियल का, उसको कहा गया कि आप 104 कड़ियों का बना दीजिए। अब कहानी कहां तक फैलेगी ? फिर उस कहानी में सैक्स, हिंसा वॉयलैंस सब तरह के पापुलर मसाले डाले जाते हैं। तो क्या मंत्री महोदय इसका आश्वासन देंगे कि ओरिजनल कहानी और ओरिजनल सीरियल जितनी कड़ियों का प्रोड्यूस किया जाता है और जितनी कड़ियों का आपके पास प्रोपोज़ल आता है, उसका प्रसारण उतना ही करेंगे जिससे कि क्वालिटी आफ सीरियल बरकरार रहे तथा प्रोग्राम अच्छा रहे और क्या क्राइटेरिया पर भी ध्यान देंगे ? स्पांसरशिप की डिमांड पर प्रोड्यूसर जितनी चाहते हैं, उतनी सीरियल की कड़ियों की आपसे स्वीकृति लेते हैं या दूसरी तरफ दूरदर्शन खुद सीरियल की कड़ियां बढ़वाता है, क्या क्राइटेरिया सही है ? और क्वालिटी आफ सीरियल्स मेंटेन करने के लिए क्या आप एक क्राइटेरिया बनाएंगे कि जो ओरिजनल फार्म में स्टोरी दी गई है। ... **(व्यवधान)** ...

उपसभापति : अब उनको जवाब देने दीजिए।

Do not repeat it. I have followed the whole thing.

SHRI K. P. SINGH DEO: Madam, all programmes on Doordarshan have to conform to the Broadcasting Code which is approved by the Government and laid on the Table of the House. So, if there is any excessive violence or anything else, if it is violative, then, they are penalised.

SHRI SIKANDER BAKHT: It is not only that.

THE DEPUTY CHAIRMAN: What she is saying is that the original story is approved. Then, because it becomes popular, they are asked to expand it. They cannot expand the story. So there are violence and other things.

SHRI SIKANDER BAKHT: The question of patronising a particular concern arises.

श्रीमती वीणा वर्मा : अभी उदाहरण देखने में आया "जमीन-आसमान" टी०वी० सीरियल का, जिसकी कि कड़ियां बढ़ाई जानी जा रही हैं।

श्री सिकन्दर बख्त : यह ठीक बात है ।

SHRI K. P. SINGH DEO: She has made a specific charge. I will have to enquire into it and ask Doordarshan to explain. Then only will I give you a reply... (*Interruptions*).

SHRI SIKANDER BAKHT: Is it a permanent practice to increase the format of a serial regularly? Unfortunately, one can draw a conclusion that it includes an element of patronising some people.

SHRI K. P. SINGH DEO: It is rather serious, Madam. I would like to invsetigate into it because Mr. Sikander Bakht is a very respected, senior Member. I would certainly like to leave no stone unturned, if I have the information on who are being patronised. I assure you that I would like to get to the bottom of it. I will leave no stone unturned. ..(*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN: The basic uestion is; once DD approves 13 or 18 or 20 episodes, is there a regular practice to increase them after the approval? You better check it.

SHRI K. P. SINGH DEO: It is not a regular practice. If a serial is doing well, if it is getting evenue and if it is popular then, there is a discussion between the producers and the Doordarshan authorities before any extension is given or it is increased. Therefore, it is not that, without any discussion and without any in-house consultation this is being done in an arbitrary manner. If there are any lacunae, we would like to get into them.

श्रीमती सुषमा स्वराज : उपसभापति महोदया, मुझे खुशी हुई मंत्री महोदय का उत्तर सुनकर कि इन्होंने अपने दूरदर्शन के धारावाहिकों की जो लोकप्रियता का सर्वेक्षण कराया था, उसमें "श्री कृष्ण", "जूनून" और "इम्तिहान" सबसे ज्यादा लोकप्रिय सीरियल पाए गए हैं, मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगी कि जब-जब दूरदर्शन में या फिल्मों में अश्लीलता के कार्यक्रम दिखाए जाते हैं और हम उनके निर्माता निर्देशक से बात करते हैं तो उनका एक ही जवाब होता है कि जो लोग देखना चाहेंगे, वही तो हम दिखाएंगे, हम व्यावसायिक लोग हैं । लेकिन उनके इस सर्वेक्षण ने इस बात को गलत साबित कर दिया है, बल्कि यह साबित कर दिया है कि लोग वे सीरियल देखना पसंद करते हैं जिन्हें वे सारे परिवार के साथ इक्कट्ठे बैठकर देख सकें । चूंकि यह तीनों सीरियल ऐसे हैं—श्रीकृष्ण धार्मिक सीरियल है और बाकी दोनों सामाजिक सीरियल हैं जिनमें न सैक्स है, न हिंसा है । तो मैं पूछना चाहती हूं कि... (**व्यवधान**)...

श्री एस० एस० अहलुवालिया : जुनून में क्या है ? आपने देखा है वह क्या ?

श्रीमती सुषमा स्वराज : उसमें ऐसा नहीं है ।

श्री एस० एस० अहलुवालिया : नहीं-नहीं, ऐसा नहीं बोलिए । सामाजिक नहीं है वह । एकदम परिवारिक नहीं है ।

श्रीमती सुषमा स्वराज : अश्लील सीरियल नहीं है ।

श्री एस०एस० अहलुवालिया : क्या बात करती है आप ।

श्रीमती सुषमा स्वराज : जुनून को अश्लीलता से भरा सीरियल नहीं माना जा सकता । ...(**व्यवधान**) मैं वही कह रही हूं ।

श्री एस० एस० अहलुवालिया : जुनून में अश्लीलता भरी हुई है । अनैतिक सम्बन्ध हैं उसमें ।

श्रीमती सुषमा स्वराज : महोदया मैंने पहले शब्द का इस्तेमाल किया अश्लीलता । क्या जुनून को आप अश्लीलता की केटेगरी में रखेंगे ? क्या जुनून अश्लीलता की केटेगरी में आने वाला सीरियल है ।

† **श्री मोहम्मद सलीम** उसमें पारिवारिक कहानी नहीं है । . . . (**व्यवधान**)

†[ ] Transliteration in Arabic script.

श्री एस० एस० अहलुवालिया : जहां विवाहितों का दूसरों के साथ सम्बन्ध दिखाया जाता है क्या वह अश्लील नहीं है ?

SHRIMATI KAMLA SINHA: Madam, for the information of my esteemed colleague, Shrimati Sushma Swaraj.

इसमें कोई ऐसा सीरियल नहीं है जिसको यह कहा जा सके कि यह बहुत ही आइडियल सीरियल है, जिसमें वॉयलेंस है, जिसमें सैक्स है । जितना आज के सीरियलों में मिर्च मसाला है, सब इसमें है ।

श्रीमती सुषमा स्वराज : मैंने यह कहा है कि यह सर्वेक्षण यह साबित नहीं करता कि कोई अश्लील सीरियल है । आपको दोनों चीजों में अन्तर करना पड़ेगा । मैं यह कहना चाह रही थी कि क्या मंत्री महोदय इस तरह के सर्वेक्षण का सहारा लेकर के अश्लील कार्यक्रम बनाने वालों को यह बताएंगे कि हिन्दुस्तान का दर्शक अश्लीलता नहीं देखना चाहता, बल्कि इस तरह के कार्यक्रम दूरदर्शन पर देखना चाहता है जो सारा परिवार एक साथ बैठ करके देख सके ?

SHRI K. P. SINGH DEO: I will convey this message to them.

SHRI S. S. AHLUWALIA: Madam.

THE DEPUTY CHAIRMAN: You have already spoken on this.

श्री एस० एस० अहलुवालिया : उपसभापति महोदया, जहां तक दूरदर्शन के सर्वेक्षण का सवाल है, सबसे बड़ा सर्वेक्षण तो यह देखना चाहिए कि हमारे फिल्मों के माहौल में कितना सैक्स, रेप, किडनेपिंग वॉयलेंस दिखाने के बावजूद एक नई फिल्म चली है—"हम आपके हैं कौन" इस फिल्म में कुछ नहीं है और यह फिल्म पूरा हिट कर रही है और आदमी को कितना मेंटल रिलेक्सेशन मिलता है । आदमी को महसूस होता है कि. . . (**व्यवधान**)

THE DEPUTY CHAIRMAN: This is not concerned with the question.

श्री एस० एस० अहलुवालिया : मैडम् यह जरूरी इसलिए है कि दूरदर्शन में ऐसे सीरियल क्यों नहीं लाए जाते ? आजकल दूरदर्शन की अवनति इतनी हुई है कि समाज में जिसको हम दुराचार मानते हैं वह भी दूरदर्शन के माध्यम से दिखाया जा रहा है और ऐसे सीरियल पास किए जा रहे हैं जहां फैमिली के मेम्बर और अपनी बच्चियों के साथ बैठकर नहीं देख सकते । ऐसे दूरदर्शन के सीरियल कैसे पास किए जाते हैं ? और यह सर्वेक्षण वैसा ही है । . . . (**व्यवधान**) . . .

THE DEPUTY CHAIRMAN: This is beyond the perview of this question.

SHR K. P. SINGH DEO: Madam, since this is going on record, I would like to answer it. He has asked why this is not shown on Doordarshan Since Doordarshan has not serialised, therefore, it can not show it.

Amount given to Andhra Pradesh to compensate revenue losses

667. SHRI G. G. SWELL:†
SHRI CHIMANBHAI MEHTA:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Tenth Finance Commission has handed over a

†*The Question was actually asked on the floor of the House by Shri G. G. Swell.*